लेटेस्ट न्यूज टेक LIVE स्टॉक मार्केट NEW म्युचुअल फंड NEW एनएसई आईपीओ सोने का भाव चांदी का भाव Explainer वीडियो फोटो

NIFTY | Bajaj Auto 11424.00 (-2.18%) | Bajaj Finance 1009.20 (-2.45%) | Bajaj Finserv 1855.50 (-3.03%) | Bharat Electronics 382.90 (-5.30%) | Bharti Airtel 1830.40 (-0.04%)

ADVERTISEMENT

होम

शेयर बाजार पर्सनल फाइनेंस इकोनॉमी बिजनेस इम्पैक्ट शॉर्ट्स देश ऑटो एग्रीकल्चर

पर्सनल फाइनेंस
शेयर बाजार
इकोनॉमी
आवाज़ पाठशाला
टेक
ऑटो
फोटो
MARKET LIVE
STORYBOARD 18
CNBC AWAAZ एंकर हब
लेखक हब
छोटे शहर, बड़े सपने

ta Stock Price: वेदांता ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और

Vedanta Stock Price: वेदांता के लिए एक बड़ा लॉन्ग-टर्म अवसर है. लेकिन शेयर का असली रिटर्न इस बात से तय होगा कि कंपनी अपने ₹21,000 करोड़ के निवेश को कितनी जल्दी प्रोडक्शन, कमाई और मजबूत कैश फ्लो में बदल पाती है.

By Ankit Tyagi
September 9, 2026, 3:09:51 PM IST (Updated)

Impact Shorts
Big News, Made Easy

1 Min Read

देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री बढ़ रही है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि एक इलेक्ट्रिक व्हीकल यानी ईवी बनाने के लिए सिर्फ बैटरी ही नहीं, बल्कि एल्युमिनियम, कॉपर, निकल, जिंक, सिल्वर और कई दूसरे क्रिटिकल मिनरल्स की जरूरत पड़ती है. वेदांता ने इसी बढ़ती जरूरत को बड़ा बिजनेस मौका मानते हुए वित्त वर्ष 2025-26 तक मेटल प्रोडक्शन और कैपेसिटी बढ़ाने वाली परियोजनाओं में ₹21,000 करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है. जिन निवेशकों के पास वेदांता के शेयर हैं या जो इसे खरीदने का मन बना रहे हैं, उनके लिए यह खबर महत्वपूर्ण है. हालांकि, इस निवेश का असली फायदा कंपनी को कब और कितना मिलेगा, यह प्रोजेक्ट पूरा होने की रफ्तार, मेटल की कीमतों, कर्ज, ब्याज लागत और इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मांग जैसे कई फैक्टर्स पर निर्भर करेगा.

ADVERTISEMENT

फोटो गैलरी
LIVE TV

High Interest Rate
16 सितंबर से शुरू करें
स्कीम, केवल ₹25,000
Sept 15, 2026 6:58 P

Latest Suzlon Ener
News: सुजलॉन ने दी
जानकारी, कल निवेशक
Sept 15, 2026 5:39 P

Stocks to Watch fo
September: HDFC
BHEL समेत इन 10 शे
Sept 15, 2026 8:18 P

Currency

Currency	Price
Dollar-Rupee	95.17
Euro-Rupee	109.9
Pound-Rupee	127.4

ADVERT

You May Like

Add Baking Soda T
And Watch What H
Plays Star

20 Signs That A He
Imminent

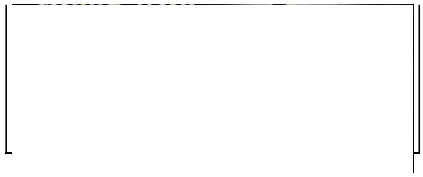

Learn It Wise

Why Supply Chain Switching Freight I
Freight Forwarding Service

Marie Osmond Is 6 Before You See He
Daily Sport X

₹21,000 करोड़ कहां खर्च कर रही है वेदांता?
कंपनी की प्रेस रिलीज के मुताबिक, यह निवेश एल्युमिनियम, जिंक, वैल्यू-ऐडेड अलॉय, कॉपर, स्टील, निकल और फेरोक्रोम के प्रोडक्शन एवं कैपेसिटी एक्सपैंशन पर किया गया है.

TRADE SETUP *September 15, 2026 4:00 PM*

TOP GAINERS TOP LOSERS MOST ACTIVE ▽ Nifty 500

Name	₹ Value	Chg	Chg%
TATAINVEST	718.35	▲67.45	▲10.36
SONATSOFTW	281.30	▲15.45	▲5.81
ACMESOLAR	420.40	▲18.10	▲4.50

आसान भाषा में समझें तो कंपनी सिर्फ ज्यादा मेटल बनाने की तैयारी नहीं कर रही है. उसकी कोशिश ऐसे खास और ज्यादा कीमत वाले मेटल प्रोडक्ट तैयार करने की भी है, जिनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों, बैटरी, मोटर, चार्जिंग सिस्टम, इलेक्ट्रिकल केबल और हल्के ऑटो पार्ट्स में हो सकता है.

शेयर बाजार और बिजनेस की सुपरफास्ट खबरों के लिए...तुरंत जुड़िए हमारे साथ (लिंक पर क्लिक करें). ये सीएनबीसी आवाज़ का टेलीग्राम चैनल है.

वैल्यू-ऐडेड प्रोडक्ट का मतलब ऐसा मेटल प्रोडक्ट है, जिसे सामान्य कच्चे माल से आगे प्रोसेस करके किसी खास इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया हो. ऐसे प्रोडक्ट पर सामान्य मेटल के मुकाबले बेहतर मार्जिन मिलने की संभावना रहती है.

ईवी मार्केट से वेदांता को कैसे फायदा हो सकता है?
भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है. देश में जैसे-जैसे ईवी की संख्या बढ़ेगी, बैटरी सेल, एनर्जी स्टोरेज, इलेक्ट्रिक मोटर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर चिप, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और हल्के व्हीकल पार्ट्स की मांग भी बढ़ सकती है.

शेयर बाजार और बिजनेस की सुपरफास्ट खबरों के लिए...तुरंत जुड़िए हमारे साथ (लिंक पर क्लिक करें). ये सीएनबीसी आवाज़ का WhattsApp चैनल है.

इस पूरी चेन के पीछे बड़ी मात्रा में मेटल और मिनरल्स की जरूरत पड़ती है. यहीं वेदांता के लिए अवसर बनता है.वेदांता के पास एल्युमिनियम से लेकर जिंक, सिल्वर, निकल और कॉपर तक का डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो है. डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो का आसान मतलब है कि कंपनी की कमाई सिर्फ एक मेटल पर निर्भर नहीं है. एक मेटल की कीमत

कमजोर पड़ने पर दूसरा मेटल कंपनी को कुछ सहारा दे सकता है. लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि मेटल कीमतों की बड़ी गिरावट का कंपनी पर असर नहीं पड़ेगा.

क्रिटिकल मिनरल्स में वेदांता की बड़ी तैयारी

भारत अभी अपनी क्रिटिकल मिनरल जरूरतों का 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा आयात करता है. कंपनी की प्रेस रिलीज के मुताबिक, वर्ष 2047 तक देश में क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स की मांग चार से दस गुना तक बढ़ सकती है.वेदांता का दावा है कि उसने कॉपर, निकल-क्रोमियम, प्लेटिनम ग्रुप एलिमेंट्स, टंगस्टन, ग्रेफाइट, वैनेडियम, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और पोटाश से जुड़े कुल 10 क्रिटिकल मिनरल ब्लॉक हासिल किए हैं. इनमें से पांच ब्लॉक पर एक्सप्लोरेशन यानी जमीन के भीतर मौजूद मिनरल भंडार का पता लगाने का काम शुरू हो चुका है.

निवेशकों को यहां एक बात समझनी चाहिए. मिनरल ब्लॉक मिल जाना और उससे कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होना दो अलग-अलग बातें हैं. पहले एक्सप्लोरेशन होता है. फिर भंडार की क्वालिटी और मात्रा का आकलन किया जाता है. इसके बाद जरूरी मंजूरियां, इंफ्रास्ट्रक्चर और माइनिंग में निवेश होता है. इसलिए इन ब्लॉक्स से कमाई आने में समय लग सकता है.

एल्युमिनियम बनेगा ईवी का बड़ा सहारा?

इलेक्ट्रिक गाड़ी में भारी बैटरी लगी होती है. अगर गाड़ी की बॉडी हल्की बनाई जाए तो उसकी एनर्जी एफिशिएंसी और ड्राइविंग रेंज बेहतर हो सकती है. एल्युमिनियम हल्का होने के कारण ईवी मैन्युफैक्चरिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.

वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 24.5 लाख टन एल्युमिनियम उत्पादन किया. कंपनी छत्तीसगढ़ के बालको और ओडिशा के झारसुगुड़ा प्लांट में स्मेल्टिंग तथा वैल्यू-ऐडेड कैपेसिटी बढ़ा रही है.

कंपनी के पोर्टफोलियो में प्राइमरी फाउंड्री अलॉय, रोल्ड प्रोडक्ट, बिलेट और स्लैब शामिल हैं. इसके अलावा कंपनी ने कम कार्बन उत्सर्जन वाले रेस्टोरा और रेस्टोरा अल्ट्रा जैसे ग्रीन एल्युमिनियम प्रोडक्ट भी तैयार किए हैं.

Suggested For You

Latest Suzlon Energy News: सुजलॉन ने दी बड़ी जानकारी, कल निवेशकों से जुड़ी प्रेजेंटेशन में शामिल होगी कंपनी

Stock Market Crash Today: इन 5 कारणों से 2 बजे के बाद हर मिनट टूटा शेयर बाजार, सेंसेक्स 1200 अंक टूटा, डूबे 9 लाख करोड़

NSE IPO: एनएसई आईपीओ में आम निवेशक की इस रकम से कम की बोली नहीं होगी स्वीकार, नोट करें इश्यू से जुड़ी सबसे अहम बात

Dividend Alert: इस कंपनी ने अपने निवेशकों को दिया 160 रुपये का अंतरिम डिविडेंड, क्या आपके पास है ये शेयर

NSE IPO New Update: एनएसई सीईओ आशीष चौहान का खुलासा, बताया क्यों आईपीओ का निचला प्राइस बैंड ₹1,700 तय हुआ?

वेदांता ने हाई-परफॉर्मेंस ऑटो एप्लिकेशन के लिए कॉपर-डोप्ड अलॉय और आईआईटी दिल्ली के सहयोग से वेदांता फाउंड्री अलॉय भी लॉन्च किया है. अगर ऑटो कंपनियों के बीच इन प्रोडक्ट की मांग बढ़ती है तो कंपनी के वैल्यू-ऐडेड कारोबार और मार्जिन को फायदा मिल सकता है.

निकल और जिंक में क्या है खास?

निकल ईवी बैटरी की वैल्यू चेन से सीधे जुड़ा महत्वपूर्ण मेटल है. वेदांता भारत की इकलौती प्राइमरी निकल प्रोड्यूसर है. घरेलू स्तर पर निकल की मांग बढ़ने पर कंपनी को इसका फायदा मिल सकता है. हालांकि, बैटरी टेक्नोलॉजी तेजी से बदलती रहती है. सभी बैटरियों में एक जैसी मात्रा में निकल इस्तेमाल नहीं होता. इसलिए भविष्य की मांग बैटरी केमिस्ट्री पर भी निर्भर करेगी.

वेदांता की सब्सिडियरी हिंदुस्तान जिंक ने वित्त वर्ष 2025-26 में 851 किलो टन रिफाइंड जिंक और 627 टन बिक्री योग्य सिल्वर का उत्पादन किया. कंपनी स्पेशलाइज्ड ऑटोमोटिव जिंक अलॉय के साथ कम कार्बन वाला इकोजेन ग्रीन जिंक भी बेचती है. टाटा स्टील और साइलॉक्स इंडिया इसके शुरुआती ग्राहकों में शामिल हैं.

कॉपर की मांग क्यों बढ़ सकती है?

कंपनी के मुताबिक, पारंपरिक पेट्रोल-डीजल गाड़ियों के मुकाबले ईवी में तीन से चार गुना ज्यादा कॉपर लगता है. इसका इस्तेमाल मोटर, केबल, कंडक्टर, बैटरी कनेक्शन और इलेक्ट्रिकल सिस्टम में होता है.

वेदांता ने वित्त वर्ष 2025-26 में 170 किलो टन का अब तक का सबसे ज्यादा कॉपर कैथोड उत्पादन दर्ज किया. कंपनी सऊदी अरब में कॉपर रॉड प्लांट में भी निवेश कर रही है. अगर ईवी, रिन्यूएबल एनर्जी और बिजली के इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ती है तो कॉपर कारोबार को लंबी अवधि में सहारा मिल सकता है.

निवेशकों के लिए सबसे बड़े पॉजिटिव ट्रिगर

पहला ट्रिगर ₹21,000 करोड़ का निवेश है, जिससे कंपनी की उत्पादन क्षमता बढ़ सकती है. दूसरा, वेदांता का कारोबार ईवी में इस्तेमाल होने वाले कई जरूरी मेटल्स में फैला है. तीसरा, भारत की आयात पर निर्भरता घटाने की सरकारी कोशिश घरेलू माइनिंग और मेटल कंपनियों के लिए नए अवसर खोल सकती है. चौथा, वैल्यू-ऐडेड और लो-कार्बन मेटल प्रोडक्ट कंपनी को बेहतर कीमत तथा मार्जिन दिला सकते हैं. पांचवां, जिंक आधारित अगली पीढ़ी की बैटरी विकसित करने के लिए वेदांता आईआईटी मद्रास और जेएनसीएएसआर के साथ काम कर रही है.

बड़ी कैपेसिटी बनाने में भारी पैसा लगता है. अगर प्रोजेक्ट में देरी हुई या लागत बढ़ी तो कंपनी के कैश फ्लो पर दबाव आ सकता है. वेदांता समूह से जुड़ी कंपनियों के मामले में निवेशकों को कर्ज, ब्याज लागत, डिविडेंड पॉलिसी और कॉरपोरेट स्ट्रक्चर पर लगातार नजर रखनी चाहिए.

इसके अलावा कॉपर, एल्युमिनियम, जिंक और निकल की कीमतें ग्लोबल मार्केट तथा लंदन मेटल एक्सचेंज की चाल से प्रभावित होती हैं. मेटल की कीमत गिरने पर ज्यादा उत्पादन के बावजूद कमाई और मार्जिन कमजोर हो सकते हैं. रुपये में उतार-चढ़ाव,

रेगुलेटरी मंजूरियां, पर्यावरण से जुड़े नियम और माइनिंग प्रोजेक्ट की देरी भी बड़े जोखिम हैं.

वेदांता का ₹21,000 करोड़ का निवेश कंपनी को भारत की ईवी और क्लीन एनर्जी सप्लाई चेन में मजबूत जगह दिलाने की क्षमता रखता है. लेकिन अभी इसे तुरंत मुनाफा बढ़ाने वाली खबर मानना जल्दबाजी होगी. यह लंबी अवधि का कैपेसिटी और रिसोर्स बेस तैयार करने वाला कदम है.

मौजूदा शेयरहोल्डर्स को हर तिमाही कंपनी का कर्ज, फ्री कैश फ्लो, कैपिटल एक्सपेंडिचर, मेटल प्रोडक्शन, प्रोजेक्ट की प्रगति और मार्जिन देखना चाहिए. नए निवेशकों को केवल ईवी थीम या बड़े निवेश के आंकड़े से प्रभावित होकर फैसला नहीं लेना चाहिए. शेयर की वैल्यूएशन, कंपनी की बैलेंस शीट और अपने रिस्क प्रोफाइल का आकलन भी जरूरी है.

कुल मिलाकर, ईवी थीम वेदांता के लिए एक बड़ा लॉन्ग-टर्म अवसर है. लेकिन शेयर का असली रिटर्न इस बात से तय होगा कि कंपनी अपने ₹21,000 करोड़ के निवेश को कितनी जल्दी प्रोडक्शन, कमाई और मजबूत कैश फ्लो में बदल पाती है.

डिस्क्लेमर. यह खबर निवेश की सलाह नहीं है. शेयर बाजार में निवेश जोखिम के अधीन है. निवेश का फैसला करने से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श जरूर करें.

First Published: Sept 9, 2026 12:27 PM IST

ADVERTISEMENT

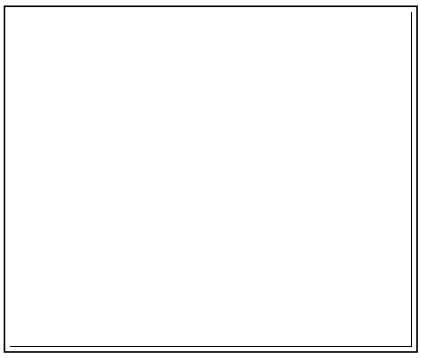

टैग्स

stock price | Vedanta

PREVIOUS ARTICLE

Crypto Currency Platforms: क्रिप्टो करेंसी पर सरकार का बड़ा एक्शन, 15 प्लेटफॉर्म को नोटिस, ऐप्स और वेबसाइट होंगी बंद

NEXT ARTICLE

Stock Market: शेयर बाजार में रिकवरी पर UBS का बड़ा दावा, बताया किन सेक्टर्स में पहले दिखेगी तेजी, पढ़ें क्रूड के असर पर क्या कहा

होम > शेयर बाजार > **Vedanta Stock Price: वेदांता ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और मेटल्स पर किया 21000 करोड़ के मेगा प्लान का एला**